

राजस्व प्रकृति पत्र १४/१९९०

जीजीएमएम नं. १९९०/१९९०

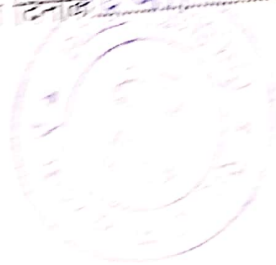
घाण्डौरी क्लब मण्डल

माली कति हो रही है एवं सरकारी योजनाओं का लाभ महज इमरिया नदी मिल रहा है कि प्रार्थी का नाम अन्य सरकारी दस्तावेजों का नाम राजस्व रिपोर्ट (जमाबंदी) में दर्ज नाम से समानता नहीं रखता है जबकि प्रेमदास एवं उसदेवी पतिन श्यामसुन्दर घाण्डौरी पतिन श्यामलाल क्लब दोनों एक ही व्यक्ति है।

अतः राजस्थान काष्ठकारी अधिनियम १९५५ की धारा २०९ में प्रदत्त शक्तियों के तहत स्वतः प्रसन्नान से प्रकरण राजा की धारा ३९, १३६ का मानते हुये राजस्व रिपोर्ट (जमाबंदी) ग्राम मरडोद के खाता संख्या ७० में दर्ज खातेदार नाम उसदेवी पतिन श्यामसुन्दर के स्थान पर घाण्डौरी पतिन श्यामलाल दूरस्त/दर्ज किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

- :: आदेश :: -

यह प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा १३६ में राजस्व अधिनियम १९५५ के साथ धारा ३९ राजस्थान काष्ठकारी अधिनियम १९५५ के स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार जालंधर को आदेश दिये जाते हैं कि वे ग्राम मरडोद तहसील जालंधर की जमाबंदी में खाता संख्या ७० में दर्ज नाम उसदेवी पतिन श्यामसुन्दर के स्थान पर घाण्डौरी पतिन श्यामलाल दूरस्त किया जाकर रिपोर्ट में अमल दममद किया जावे। यह आदेश आज दिनांक २०/०५/१९९० को मेरे द्वारा करे इजलास सुनाया गया।



(~~श्यामलाल दानी~~)
जमाबंदी अधिकारी एवं
सहायक कलक्टर, जालंधर